E
Batch-2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जनवरी – २०२३

सत्र – १

विषय : विशेष साहित्यकार – उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: १८/०१/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट की उपाधि क्यों दी गई है ? सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु को उसकी विशेषताओं के साथ वर्णित कीजिए ।

प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समस्याओं को स्पष्ट करते हुए, कृषक जीवन की दशा का विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की चरित्र योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ६ 'गबन' उपन्यास में अभिव्यक्त समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'गोदान' उपन्यास का होरी औऱ उसकी पत्नी धनिया के चरित्रों पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ८ 'गबन' उपन्यास के आधार पर जोहरा और देवीदिन की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स–संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१. गरीबों का गला काटना दूसरी बात है, दूध का दूध और पानी का पानी करना दूसरी बात है ।

२. देखो, अपना समझकर मेरे पास आग लेने आया।

३. क्यों मुझे उस उँचाई पर पहुँचाना चाहती हो, जहाँ पहुँचने की शक्ति मुझ में नहीं है ।

४. पुरुष मन का हो तो स्त्री उस के साथ उपवास करके भी प्रसन्न रहेगी ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. डॉ. मालती

२. भोला अहिर

३. रतन

४. 'गबन' समस्याएँ ।